दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेज़ी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विज़िट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शुक्रवार 14 जनवरी 2022 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 108

जलपाईगुड़ी में बेपटरी हुई बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस, पांच यात्रियों की मृत्यु की पुष्टि

» कई यात्री गंभीर रुप से हुए घायल, बढ़ सकता है हताहतों का आकड़ा

» मृतक के परिजनों को 5 लाख के मुआवजे का ऐलान

» गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख की मदद

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिला के मैनागुड़ी में गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस (15633) शाम के करीब पांच बजे पटरी से उतर गई है। इस दुर्घटना में 5 यात्रियों की मौत की पुष्टि फिलहाल की गई है। जिस प्रकार से तीन यात्री डब्बे एक दूसरे डब्बे के उपर चढ़कर पलटी हुए है, उससे यात्रियों की मौत का आकड़ा बढ़ भी सकता है। वहीं, कई यात्री इस दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल है। जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है। मौके पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर कई एम्बुलेंस घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए पहुंची है। ट्रेन की बोगियों में फंसे यात्रियों को गैस कटर का इस्तेमाल कर बाहर निकाला जा रहा है।

जलपाईगुड़ी ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। वहीं इस दुर्घटना में करीब 45 लोग घायल हो गए हैं। आपको यह भी बता दें कि रेस्क्यू ऑपरेशन अंतिम चरण में है।

जलपाईगुड़ी रेल हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की और पश्चिम बंगाल में ट्रेन दुर्घटना के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना।

बीकानेर गुवाहाटी एक्सप्रेस में पटना से कुल 98 यात्री सवार हुए थे। पटना आरक्षण केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार एसी द्वितीय श्रेणी में कुल 2 यात्री एसी थर्ड में 10 यात्री सवार हुए थे। इसके अलावा स्लीपर बोगी में 33 और जेनरल बोगी में कुल 49 यात्री पटना जंक्शन से सवार हुए थे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कल सुबह जलपाईगुड़ी के लिए रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि पीएम को हादसे की जानकारी दी है। मैके पर अधिकारी और मेडिकल टीम मौजूद है।

नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे, गुवाहाटी की चीफ पीआरओ गुनीत कौर ने कहा, दुर्घटना शाम 5 बजे के आसपास डोमोहानी और न्यू मयनागुरी में हुई। करीब 10 कोच प्रभावित। मृतक के परिजनों को 5 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। मामूली रूप से घायल होने पर 25,000 रुपये दिए जाएंगे। उच्च स्तरीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं।

रेल मंत्री ने भी घटना को लेकर दुख जाताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के 12 डिब्बे न्यू मयनागुरी (पश्चिम बंगाल) के पास आज शाम पटरी से उतर गई। त्वरित बचाव कार्यों के लिए व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हादसे की पूरी जानकारी ली है। रेलवे द्वारा इस दुर्घटना की जांच के आदेश दिए गए है। फिलहाल राहत व बचाव कार्य अंतिम दौर में जारी है।

यूपी में टिकट बंटवारे की पीएम नरेंद्र मोदी ने संभाली कमान, पहली बार मीटिंग में हुए शामिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम तय करने की मीटिंग में गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए हैं। यह पहला मौका है, जब टिकटों के मंथन में पीएम नरेंद्र मोदी ने भी हिस्सा लिया है। बुधवार को दिल्ली के भाजपा मुख्यालय में टिकट बंटवारे को लेकर दिन भर में मीटिंग चली थी और अब एक बार फिर से बैठक हो रही है। इसी मीटिंग में वर्चुअल तौर पर पीएम मोदी शामिल हुए। प्रधानमंत्री के अलावा डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह और केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी ऑनलाइन ही जुड़े। इन नेताओं के अलावा होम मिनिस्टर अमित शाह, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एवं दिनेश शर्मा मुख्यालय में ही मौजूद थे। इस मीटिंग में जिन अहम मुद्दों पर बात हुई, उनमें से एक यह भी है कि सीएम योगी आदित्यनाथ चुनाव में उतरेंगे या नहीं। इसके अलावा वह अयोध्या से चुनाव लड़ेंगे या फिर मथुरा से, इसे लेकर भी चर्चा चल रही है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पार्टी में सीएम योगी आदित्यनाथ को अयोध्या से चुनावी समर में उतारने पर सहमति बनती दिख रही है। योगी आदित्यनाथ यदि चुनावी समर में उतरते हैं तो यह उनका पहला विधानसभा इलेक्शन होगा। वह 5 बार गोरखपुर लोकसभा सीट से सांसद रहे हैं और सीएम बनने के बाद ही उन्होंने वहां से इस्तीफा दिया था। इसके बाद विधान परिषद सदस्य के तौर पर चुने गए थे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पिछड़े वर्ग के 7 विधायकों के छोड़कर जाने की काउंटर रणनीति तैयार की जा रही है। ऐसे में सीएम योगी आदित्यनाथ को हिंदुत्व के ब्रांड आइकॉन के तौर पर पेश करते हुए अयोध्या से ही उतारे जाने की तैयारी है।

महत्वपूर्ण एवं खास

कश्मीर, लद्दाख में बढ़ी ठंड, जम्मू में कड़ाके की सर्दी के अंत का मनाया गया जश्न

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में न्यूनतम तापमान गुरुवार को फ्रीजिंग प्वाइंट से नीचे बना है। घाटी में 21 दिसंबर से शुरू हुई चिल्लई कलां के नाम से जानी जाने वाली कड़ाके की सर्दी की 40 दिनों की लंबी अवधि 31 जनवरी को समाप्त होगी। जम्मू क्षेत्र में, लोहड़ी का त्यौहार परंपरागत रूप से कड़ाके की सर्दी के अंत के प्रतीक के रूप में मनाया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार रात के तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। अगले 48 घंटों के दौरान दिन के तापमान में वृद्धि होने की संभावना है क्योंकि इस अवधि के दौरान आमतौर पर मौसम शुष्क रहता है। न्यूनतम तापमान श्रीनगर में माइनस 2.7, पहलगाम में माइनस 9.4 और गुलमर्ग में माइनस 11.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख के द्रास शहर में माइनस 21.9, लेह में माइनस 15.5 और कारगिल में माइनस 16.9 न्यूनतम रहा। जम्मू शहर और कटरा कस्बे में रात का न्यूनतम तापमान 5.5, बटोटे में माइनस 0.1, बनिहाल में माइनस 1.0 और भद्रवाह में माइनस 2.7 दर्ज किया गया।

उत्तर पूर्वी राज्यों में दो साल में 1020 वर्ग किमी जंगल हुए कम

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के कुल वन क्षेत्र का आकलन करने वाली नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो वर्षों में उत्तर-पूर्वी राज्यों में कुल वन क्षेत्र में 1,020 वर्ग किलोमीटर की कमी आई है। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट 2021 से पता चला है कि उत्तर-पूर्वी राज्यों में कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2,62,179 वर्ग किमी में से 1,69,521 वर्ग किमी वन क्षेत्र है। यह देश के भौगोलिक क्षेत्रफल का 7.98 प्रतिशत है। आठ उत्तर पूर्वी राज्यों में वन क्षेत्र देश के कुल वन क्षेत्र का 23.75 प्रतिशत है। जबकि अरुणाचल प्रदेश ने 257 वर्ग किमी का अधिकतम वन क्षेत्र खो दिया, मेघालय ने 249 वर्ग किमी, नागालैंड ने 235 वर्ग किमी, मिजोरम ने 186 वर्ग किमी, मेघालय ने 73 वर्ग किमी, असम ने 15 वर्ग किमी, त्रिपुरा ने 4 वर्ग किमी और सिक्किम ने एक वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र खो दिया। रिपोर्ट के अनुसार, देश के इस क्षेत्र में झूम खेती की विशेषता है, जहां वन भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित किया जाता है और खेतों में अपेक्षाकृत कम समय के लिए खेती की जाती है। इसके बाद क्षेत्र को ठीक होने दिया जाता है या लंबे समय तक परती छोड़ दिया जाता है और यह गतिविधि कुछ वर्षों के बाद दोहराई जाती है। द्विवार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की कृषि पद्धतियां मुख्य रूप से इस क्षेत्र में वन क्षेत्र में उतार-चढ़ाव का कारण बनती हैं।

मोबाइल न मिलने पर पिता ने 9 साल के बच्चे को मार डाला

मैनपुरी (आरएनएस)। यूपी के मैनपुरी में नशे में धुत पिता को जब अपना मोबाइल फोन नहीं मिला तो उसने अपने 9 वर्षीय बेटे का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना अलावलपुर मडैया गांव की है। मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद बुधवार को गैर इरादतन हत्या के आरोप में पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित के दादा लखन सिंह ने अपने बेटे मुकेश बाथम के खिलाफ मंगलवार की रात पोते मिथुन की हत्या करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस शिकायत के अनुसार बाथम मंगलवार की रात नशे की हालत में घर लौटा था। वह भूल गया कि उसने अपना मोबाइल फोन कहा रखा था और अपने बेटे से इसके बारे में पूछ रहा था। लेकिन मिथुन इसे खोजने में विफल रहा और गुस्से में बाथम ने कथित तौर पर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या पीड़िता की छोटी बहन पलक ने देखी, जिसे देख वह रोने लगी। उसकी चीख-पुकार सुनकर उसके दादा-दादी वहां पहुंच गए लेकिन तब तक मिथुन की मौत हो चुकी थी और बाथम घर से भाग गया था। लखन सिंह ने पुलिस को बताया कि बाथम शराबी है और उसकी आदतों के कारण उसकी पत्नी विजय कुमारी आठ महीने पहले अपने छह बच्चों में से चार बच्चों के साथ घर छोड़कर पंजाब चली गई थी। मिथुन और पलक अपने पिता के साथ रह रहे थे।

पाकिस्तानी आतंकी बाबर भाई मुठभेड़ में ढेर, 4 साल से था घाटी में एक्टिव, एक पुलिसकर्मी शहीद

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में बीती देर रात से ही चल रही मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी आतंकी को मार गिराया है। आतंकवादी की पहचान बाबर के तौर पर हुई है, जो पाकिस्तान का रहने वाला है। वह 2018 से ही जम्मू-कश्मीर के शोपियां और कुलगाम में एक्टिव था। आतंकी के पास से एक रायफल, एक पिस्तौल और दो ग्रेनेड बरामद हुए हैं। कश्मीर पुलिस के आईजी विजय कुमार ने बताया कि इस मुठभेड़ के दौरान पुलिसकर्मी रोहित छिब की भी शहादत हो गई है। इसके अलावा सेना के 3 जवान जख्मी हुए हैं। दो नागरिक भी मामूली तौर पर जख्मी हुए हैं। जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा आतंकी बाबर घाटी में कई घटनाओं को अंजाम देने में शामिल था। बुधवार को यह मुठभेड़ उस वक्त शुरू हुई थी, जब पुलिस और आर्मी की संयुक्त टीम ने कुलगाम के परिवान गांव में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकी घर में छिपा हुआ था। उसके मारे जाने के साथ ही ऑपरेशन समाप्त हो गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर बताया, मारे गए आतंकी की पहचान पाकिस्तान के बाबर भाई के तौर पर हुई है। वह 2018 से ही शोपियां और कुलगाम में एक्टिव था।जम्मू-कश्मीर में अब तक सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच 9 मुठभेड़ हो चुकी हैं। इनमें 13 आतंकी मारे जा चुके हैं। इन आतंकियों में से 5 विदेश यानी पाकिस्तान के हैं।

36 साल बाद महाकाल मंदिर में शनिप्रदोष के संयोग में मनेगी मकर संक्रांति

उज्जैन (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के उज्जैन के ज्योर्तिलिंग महाकाल मंदिर में 15 जनवरी को 36 साल बाद शनिप्रदोष के संयोग में मकर संक्रांति मनाई जाएगी। तड़के चार बजे भस्मरती व सुबह 7.30 बजे शासकीय आरती में भगवान को तिल के उबटन से स्नान कराया जाएगा। पश्चात तिल्ली से बने पकवानों का भोग लगाकर आरती की जाएगी। मंदिर समिति सदस्य पं. आशीष पुजारी ने बताया कि महाकाल मंदिर में मकर संक्रांति का पर्वकाल 15 जनवरी को मनेगा। भस्मारती में फलाहार के रूप में भगवान को मावे व तिल से बने पकवानों का भोग लगेगा। सुबह 7.30बजे की शासकीय आरती में दूध का भोग लगाया जाएगा। शाम 7.30 बजे संध्या आरती में भगवान को दाल, चावल, रोटी, सब्जी, लड्डू आदि का नैवेद्य लगेगा। शाम चार बजे मंदिर के गर्भगृह में पुजारी पं. घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में एकादश ब्राह्मण रुद्रपाठ करेंगे। मंदिर में अकर्षक पुष्प व पतंग की सज्जा होगी। ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला के अनुसार ग्रह गोचन की गणना से देखें तो इस बार शनिवार के दिन प्रदोष के संयोग में मकर संक्रांति का पर्वकाल मनाया जाएगा। शनिवार के दिन प्रदोष का होना धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हे। इसमें भी शनि प्रदोष के दिन मकर संक्रांति का पर्वकाल स्नान, दान तथा धार्मिक कार्यों के लिए दुर्लभ संयोग की श्रेणी में आता है। सन 2022 से पहले इस प्रकार का संयोग सन 1955 में बना था। पं. डब्बावाला के अनुसार संक्रांति पर्व पर सूर्य शनि का मकर में होना अर्थात पिता, पुत्र का एक राशि में संयुक्त होना ज्योतिष गणना से महत्वपूर्ण है। इस दिन तिल्ली का पांच प्रकार से उपयोग करना विशेष फलदायी माना गया है। तांबे के लोटे में काले तिल भरकर उस पर सोने का दाना रखकर वैदिक ब्राह्मण को दान करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही जन्म पत्रिका में मौजूत व्यातिपात नाम के दोष का निवारण होता है। देव, ऋषि व पितृ की कृपा प्राप्त करने के लिए इस दिन तीर्थ पर तिल से तर्पण करना चाहिए। यह करने से शुभ मांगलिक कार्यों में आ रही बाधा दूर होती है। आर्थिक प्रगति के योग बनते हैं। मकर संक्रांति पर तिल व तेल व तिल्ली के उबटन से स्नान करना चाहिए। पानी में काले व सफेद तिल डालकर स्नान करने से पितृ ऋण मुक्ति मिलती है। देवी देवताओं की कृपा प्राप्त करने के लिए मकर संक्रांति पर काले व सफेद तिल से हवन करना चाहिए।

गोगरा-हॉट स्प्रिंग पर नहीं बनी बात, भारत-चीन के बीच 14वें दौर की वार्ता विफल

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले शेष इलाकों से गतिरोध खत्म करने के लिए बुधवार को भारत-चीन के सैन्य कमांडरों के बीच 14वें दौर की वार्ता हुई है। इसमें भारत की तरफ से हॉट स्प्रिंग, डेप्सांग और डेमचोक इलाकों में सैनिकों की पूर्ण वापसी पर जोर दिया गया। इस बीच सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे ने एक बयान में कहा कि इस बातचीत में पीपी-15 यानी हॉट स्प्रिंग से जुड़े मुद्दों का समाधान होने की उम्मीद है। पूर्वी लद्दाख में पिछले 20 महीनों से गतिरोध जारी है। कई स्थानों से भारत-चीन ने अपनी सेनाएं पीछे हटाई हैं। लेकिन कई स्थानों पर गतिरोध कायम है। पिछले साल 10 अक्टूबर को 13वें दौर की वार्ता हुई थी जो बेनतीजा रही। इसलिए इस वार्ता पर सबकी नजरें हैं। इस बीच वार्ता को लेकर सेना प्रमुख नरवणे ने कहा कि हर दौर की वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकलता है। लेकिन पूर्व में देखें तो 4-5वें दौर की वार्ता के बाद पीपी-14, नौवें एवं 10वें दौर की वार्ता के बाद पेंगोंग झील के दक्षिण एवं उत्तरी तट एवं कैलाश रेंज तथा 12वें दौर की वार्ता के बाद पीपी-17 से सैनिकों की वापसी हुई थी। इस बार भी पीपी-15 यानी हॉट स्प्रिंग क्षेत्र से मुद्दों का समाधान की उम्मीद है।

रक्षा मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 14वें दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की ओर चुशुल-मोल्दो बैठक स्थल पर हुई। बैठक सुबह साढ़े नौ बजे तय समय पर आरंभ हुई जो देर रात तक जारी रही।

बातचीत में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्या सेनगुप्ता कर रहे हैं जिन्हें हाल ही में लेह स्थित 14वें कोर का कमांडर नियुक्त किया गया है। चीनी पक्ष का नेतृत्व दक्षिण जिंजियांग सैन्य जिले के चीफ मेजर जनरल यांग लि ने किया।

नये दौर की यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब पूर्वी लद्दाख में पेंगोंग झील इलाकों में चीन की ओर से पुल बनाने पर भारत ने निशाना साधा था और कहा था कि यह इलाका पिछले 60 वर्षों से चीन के अवैध कब्जे में है जिसे भारत स्वीकार नहीं करता है। पिछले सप्ताह चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों का अपनी ओर से नामकरण किया था और भारत ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया था। भारत ने कहा था कि इससे इस स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ता है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। इसके पूर्व भारत और चीन 18 नवंबर को वर्चुअल कूटनीतिक वार्ता में 14वें दौर की सैन्य वार्ता करने पर राजी हुए थे ताकि पूर्वी लद्दाख में बाकी के टकराव वाले स्थानों पर पूरी तरह से सेना को हटाने का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

रॉकेट साइंटिस्ट एस. सोमनाथ बने इसरों के नए चीफ, के. सिवन की लेंगे जगह

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र , तिरुवनंतपुरम के निदेशक और वरिष्ठ रॉकेट वैज्ञानिक एस सोमनाथ को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अध्यक्ष बनाया गया है। वह इसरो के 10वें अध्यक्ष होने के साथ साथ अंतरिक्ष विभाग के सचिव की जम्मिदारी भी संभालेंगे। आधिकारिक रूप से यह जानकारी बुधवार को दी गई। सोमनाथ, के सिवन का स्थान लेंगे जिनका कार्यकाल एक साल के वस्तिार के बाद 14 जनवरी को पूरा हो रहा है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में निदेशक बनने से पहले वह लिक्विड प्रोपलजल सस्टिमस सेंटर (प्रणोदन प्रणाली केंद्र) के निदेशक रहे। वह उच्च शक्ति वाले सेमी कार्यजनिक ईंधन के विकास के काम से भी जुड़े रहे। उन्होंने चंद्रयान दो के लैंडर के इंजन के विकास में भी योगदान दिया था।

सोमनाथ ने केरल में कोल्लम स्थित पीकेएम इंजिनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजिनियरिंग में बी टेक की डिग्री हासिल करने के बाद भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु से अंतरिक्ष अभियानिकी में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की थी। उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया। वह 1985 में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र से जुड़े।

तीसरी लहर की रफ्तारः 24 घंटे में 247417 नए मामले, 380 लोगों की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना की तीसरी लहर का कहर तेजी से बढ़ने लगा है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के नए मामलों की संख्या ढाई लाख के करीब पहुंचती नजर आई। वहीं इस दौरान लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत हो गई। तीसरी लहर के कहर के कारण अब देश में सक्रीमय मामलों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 11 लाख के आंकड़े को पार कर चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में तीसरी लहर ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है और पिछले छह दिनों में संक्रमितों की संख्या में 150 फीसदी इजाफा हो चुका है। बुधवार को देश भर में कुल 2,47,417 नए केस मिले हैं वहीं इस दौरान 84,825 लोग संक्रमणमुक्त होकर स्वस्थ भी हुए हैं, जबकि इस दौरान 380 लोगों की मौत भी दर्ज की गई और पिछले चार दिनों में कुल 1280 लोगों की मौतें हो चुकी हैं। एक दिन में हुई मौतों में से 176 मौतों के आंकड़े अकेले केरल में दर्ज की गई। इसके साथ ही सक्रिय मामलों की संख्या 11,17,531 हो गई है, जो कुल मामलों का 3.08 प्रतिशत है। जबकि दैनिक संक्रमण दर 13.11 फीसदी से ज्यादा हो गया है। वहीं वीकली पॉजिटिविटी रेट भी 10 फीसदी के पार बना हुआ है। यही नहीं रिकवरी रेट जो पिछले महीने ही 98 फीसदी के पार था, वह अब घटते हुए 95.59 प्रतिशत ही रह गया है।

पांच राज्यों में कोरोना की तेज रफ्तार- देश के पांच राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में 46,723 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद दिल्ली में 27,561 मामले, वहीं तीसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल में 22,155 केस, कर्नाटक में 21,390 और तमिलनाडु में 17,934 मरीज मिले हैं। देश के कुल 54.87 फीसदी मरीज केवल इन पांच राज्यों से आए हैं। वहीं महाराष्ट्र से अकेले 18.88 फीसदी मामले सामने आए हैं।

टीकाकरण 154 करोड़ के पार- मंत्रालय के अनुसार राहत की बात यह है कि देश में वैक्सीनेशन की रफ्तार तेज है और अब तक राष्ट्रव्यापी टीकाकरण के तहत अब तक 154.61 करोड़ टीके दिए जा चुके हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि टीका लगवाने वाले लोगों की स्थिति संक्रमण के बाद भी ज्यादा गंभीर नहीं हो रही है। ऐसे में अब भी बचाव के साथ टीका ही कोरोना संकट से निपटने का सबसे कारगर उपाय है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन की 157.36 करोड़ से ज्यादा डोज उपलब्ध कराई गई हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी वैक्सीन की 15.75 करोड़ से ज़्यादा डोज उपलब्ध है।

युवाओं में हुआ 3 करोड़ से ज्यादा टीकाकरण- देश में तीन जनवरी से शुरू हुए 15 से 18 साल के किशोरों का टीकाकरण सफल साबित हो रहा है। महज 10 दिनों में देश के अंदर 3 करोड़ से ज्यादा किशोरों को कोरोना टीका दिया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इसकी जानकारी दी। देश में इसी साल 3 जनवरी से ही युवाओं का टीकाकरण शुरू हुआ है। इसके लिए एक जनवरी से पंजीकरण की व्यवस्था शुरू की गई थी। फिलहाल 15 से 18 साल के किशोरों को ही कोरोना वैक्सीन लगवाने की मंजूरी मिली है। देश में युवाओं को भारत बायोटेक की बनाई कोवैक्सीन ही दी जा रही है।

ओमिक्रॉन के केस 5,400 के पार- इस बीच देश में ओमिक्रॉन वैरिएंट के केसों की संख्या तेजी से बढ़त हुए 5,488 हो गई है। फिलहाल ओमिक्रॉन से संक्रमित 2,162 लोग रिकवर हो चुके हैं। ओमिक्रॉन के अब तक सबसे ज्यादा 1,367 केस महाराष्ट्र में मिले हैं। हालांकि अब दूसरे नंबर पर दिल्ली की बजाय राजस्थान है, जहां ओमिक्रॉन के अब तक 792 केस मिल चुके हैं। इसके अलावा दिल्ली में 549 केस हैं।